अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 30 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल-द्वादशी
विक्रम संवत-2083

PAGE NO, 07, MIDDLE

स्त्री के त्याग पर विमर्श के लिए मजबूर कर गया कोमल गांधार

मंचन करते कलाकार। स्रोत : स्वयं

बरेली। स्टेडियम रोड स्थित रिद्धिमा सभागार में रविवार को शंकर शेष लिखित और विनायक श्रीवास्तव निर्देशित नाटक 'कोमल गांधार' का मंचन किया गया। महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित इस नाटक में गांधारी के चरित्र को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया।

महाभारत में गांधारी को केवल एक आदर्श पत्नी और माता के रूप में दिखाया गया है, जबकि नाटक उनके अंतर्मन, पीड़ा, संघर्ष और वैचारिक शक्ति को केंद्र में लाता है। नाटक में गांधारी के माध्यम से सामाजिक और नैतिक प्रश्नों को भी प्रभावशाली ढंग से उठाया गया। यह प्रस्तुति दर्शकों को स्त्री-अस्मिता, त्याग, सत्ता और धर्म के जटिल संबंधों पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है। नाटक में गांधारी की भूमिका अनमोल मिश्रा और धृतराष्ट्र की भूमिका पंकज कुकरेती ने निभाई। विनायक श्रीवास्तव, मानेश यादव, शिवम यादव, विषा गंगवार, गौरव कार्की, आयुष, तन्मय, श्रीजेश ने भी बेहतरीन अभिनय किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा, आदि लोग लोग मौजूद रहे। संवाद